सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, शुक्रवार, 16 मई, 2025
वर्षः 02, अंकः 139, पृष्ठः 8+4

बांकेबिहारी कॉरीडोर से शहर वालों की होगी चांदी

इनसाइड आईजीआरएस में खराब रैंकिंग से गिर रही नगर निगम की साख... » Pg04

» Pg12

भारत-चीन और रूस की दोस्ती में दरार डालने की कोशिश

भारत और चीन के बीच सीमा तनाव और जटिल रिश्तों के बीच, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पश्चिमी देशों पर आरोप लगाया है कि वे 'फूट डालो और राज करों नीति के तहत दोनों देशों के तनाव को बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों ने क्षेत्र को इंडो-पैसिफिक' नाम देकर चीन विरोधी रणनीति अपनाई है।

भारत और चीन के बीच रिश्ता काफी जटिल है। भारत-पाकिस्तान के बीच मई महीने के दूसरे सप्ताह में सीमा पर चले तनाव के दौरान चीन ने खुलकर आतंकिस्तान का समथज़न किया, वित्त वर्ष 2024 में चीन और भारत के बीच 100 बिलियन डॉलर से अधिक का व्यापार हुआ। लेकिन, तब भी चीन ने डबल गेम खेला, चीन की ओर से पाक को मिल रहे समथज़न से क्षेत्रीय सुरक्षा की स्थिति और अधिक संवेदनशील हो गई है। हालांकि, रूस का मानना है कि चीन-भारत के बीच संबंध में दरार लाने के पीछे पश्चिम मुल्क हैं।

रूस के विदेश मंत्री की ओर से भारत और चीन के संबंध को लेकर बयान सामने आया है। जिसमें रूस ने पश्चिमी देशों को भारत-चीन के बीच बिगड़ते रिश्ते के लिए जिम्मेदार ठहराया है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि पश्चिमी देश भारत और चीन के बीच तनाव पैदा करने की एक रणनीति के तहत साजिश रच रहे हैं। पश्चिमी देश 'डिवाइड एंड कन्कर' (फूट डालो और राज करो) के तहत दोनों देशों के बीच संबंध बिगाड़ने में जुटे हैं।

पाकिस्तान को अभी हमने ट्रेलर दिखाया है, पिक्चर तो बाकी

भुज। राजनाथ सिंह ने कहा कि 'ब्रह्मोस' मिसाइल की ताकत को तो पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया है। हमारे देश में एक कहावत काफी पुरानी है और वह है - दिन में तारे दिखाना। मगर भारत में बनी ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन को रात के अंधेरे में दिन का उजाला दिखा दिया है। भारत के जिस एयर डिफेंस सिस्टम की तारीफ हर तरफ हो रही है, उसमें डीआरडीओ की ओर से बनाए गए 'आकाश' और अन्य रडार सिस्टम की जबरदस्त भूमिका रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को गुजरात के भुज वायु सेना स्टेशन का दौरा किया। इस एयरबेस को पिछले सप्ताह पाकिस्तानी सेना की ओर से निशाना बनाने की कोशिश की गई थी। हालांकि, उनके नापाक मंसूबों पर भारतीय सशस्त्र बलों ने पानी फेर दिया था। राजनाथ की यह यात्रा जम्मू-कश्मीर की यात्रा, नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के एक दिन बाद हुई। भुज में उन्होंने कहा कि हमारे ब्रह्मोस की ताकत पूरी दुनिया ने देख ली है। पाकिस्तान पर हमारी मिसाइल कहर बनकर बरसी है।

'जांबाजों को सलाम करता हूं': इस दौरान उन्होंने कहा कि पहलगाम में मारे गए सभी निदोज़ष नागरिकों को और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए हमारे सैनिकों को नमन करता हूं। मैं हमारे घायल सैनिकों के साहस को भी नमन करता हूं और ईश्वर से यह प्राथज़ना करता हूं कि वो जल्द से जल्द स्वस्थ हों। हमारे देश की मजबूत भुजा भुज में आप सबके बीच आकर मुझे बड़ा गर्व हो रहा है। यह भुज, 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी रहा है। यह भुज 1971 में पाकिस्तान के

खिलाफ हमारी जीत का साक्षी रहा है। आज एक बार फिर यह भुज पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी बना है। इसकी मिट्टी में देशभक्ति की खुशबू है और यहां के जवानों में भारत की सुरक्षा का अडिग संकल्प। मैं आप सभी वायु योद्धाओं समेत, सशस्त्र बलों और बीएसएफ के सभी जांबाजों को सलाम करता हूं।

'भारत की सीमाएं आप सभी की मजबूत भुजाओं में पूरी तरह से सुरक्षित' : रक्षा मंत्री ने कहा कि अभी कल ही मैं श्रीनगर में सेना के अपने वीर जवानों से मिलकर लौटा हूं। आज मुझे आपके बीच आने का अवसर मिला है। कल मैं भारत के उत्तरी भाग में जवानों से मिला। आज मैं भारत के पश्चिमी भाग में वायु योद्धाओं और जवानों से मिल रहा हूं। दोनों ही मोचोज़ पर उच्च जाज़ और हाई जोश देखकर मैं फिर से आश्वस्त हो गया हूं कि भारत की सीमाएं आप सभी की मजबूत भुजाओं में पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आपने जो कुछ किया, उसने पूरे देश को गवज़ से भर दिया है। भारतीय वायुसेना के लिए सिफज़ 23 मिनट काफी थे, पाकिस्तान की सरजमीं पर पल रहे आतंक के अजगर को कुचलने के लिए। मैं यह कहूं तो गलत नहीं होगा, कि जितनी देर में लोग नाश्ता-पानी निपटाते हैं, उतनी देर में आपने दुश्मनों का निपटारा कर दिया। आपने दुश्मन की सीमा के भीतर जाकर जो मिसाइलें गिराईं, उसकी गूंज पूरी दुनिया ने सुनी और वास्तव में वह गूंज, सिफज़ मिसाइलों की ही नहीं थी, वह गूंज आपके शौर्य और भारत के पराक्रम की थी।'

राजनाथ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना ने जो प्रभावी भूमिका निभाई है, उसकी सराहना इस देश में ही नहीं दूसरे देशों में भी हो रही है। आपने इस ऑपरेशन में न केवल दुश्मन को परास्त किया है, बल्कि उन्हें तबाह करने में भी कामयाबी हासिल की है। आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए इस अभियान को हमारी वायु सेना ने आगे बढ़ाया। हमारी एयरफोर्स एक ऐसी 'स्काइफोर्स' है, जिसने अपने शौर्य, पराक्रम और प्रताप से आसमान की नई और बुलंद ऊंचाइयों को छू लिया है।

'भारत की युद्ध नीति और तकनीकी दोनों बदल चुकी'

उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान इंडियन एयरफोर्स ने पूरी दुनिया के सामने प्रमाण दिया है। प्रमाण इस बात का कि अब भारत की युद्ध नीति और तकनीकी बदल चुकी है। आपने नए भारत का संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचाया है। यह संदेश है कि अब भारत केवल विदेशों से इंपोर्ट किए गए हथियारों पर निर्भर नहीं है,बल्कि भारत में बने अस्त्र और शस्त्र भी हमारी सैन्य शक्ति का हिस्सा बन चुके हैं। अब भारत में बने और भारतीय हाथों से बने हथियार भी अचूक और अभेद हैं, यह पूरे विश्व ने देख लिया है।

पाकिस्तान की मदद पर उठाए सवाल

उन्होंने कहा कि आपने पाकिस्तान में मौजूद आतंकवाद के इंफ्रास्ट्रक्चर के खिलाफ प्रभावी कारवाई की मगर पाकिस्तान फिर से इस कोशिश में लग गया है कि ध्वस्त हुए आतंकी ढांचे को फिर से खड़ा किया जाए।

वहां की सरकार, पाकिस्तानी आम नागरिकों से लिया गया टैक्स, 'जैश ए मुहम्मद' जैसे आतंकी संगठन के आका मसूद अजहर को करीब चौदह करोड़ रुपए देने में खर्च करेगी। जबकि वह संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी घोषित है।

सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख

हर कोई अखबार में नाम चाहता है, यह कहकर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज की

वक्फ कानून के खिलाफ नई याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून के खिलाफ दायर की गई नई याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका पर आपत्ति जताई। इस पर कोर्ट ने कहा कि हर कोई अखबार में अपना नाम चाहता है। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वक्फ कानून की सांविधानिक वैधता को चुनौती देने वाली नई याचिकाओं पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि हर कोई अखबार में नाम चाहता है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने तय किया कि वह लंबित मामलों की सुनवाई 20 को करेगी।

शुक्रवार को अदालत में जब याचिकाएं सुनवाई के लिए आईं तो केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं का अंत नहीं हो रहा है। ऐसे याचिकाएं दायर नहीं की जा सकती। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उन्होंने 8 अप्रैल को याचिका दायर की थी। 15 अप्रैल को सर्वोच्च न्यायालय की रजिस्ट्री द्वारा बताई गई खामियों को दूर कर दिया था, लेकिन उनकी याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं की गई। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हर कोई अखबार में अपना नाम चाहता है। जब याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ ने याचिका को लंबित याचिकाओं के साथ शामिल करने का अनुरोध किया तो बेंच ने कहा कि हम इस मुद्दे पर निर्णय लेंगे। पीठ ने याचिका को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि अगर ऐसी कोई अन्य याचिका सुनवाई के लिए आएगी तो उसे खारिज कर दिया जाएगा। जब याचिकाकर्ता के वकील ने उन्हें लंबित याचिकाओं में हस्तक्षेप की अनुमति देने की मांग की तो पीठ ने कहा कि हमारे पास पहले से ही तमाम हस्तक्षेपकर्ता हैं।

20 मई को सुप्रीम कोर्ट सुनेगी दलीलें

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति मसीह की पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई की थी। पीठ ने कहा था कि वह 20 मई को तीन मुद्दों पर अंतरिम निर्देश पारित करने के लिए दलीलें सुनेगी। इनमें अदालतों द्वारा वक्फ वक्फ बॉय यूजर या विलेख द्वारा वक्फघोषित संपत्तियों को गैर अधिसूचित करने की शक्ति शामिल है। 17 अप्रैल को सुनवाई में शीर्ष अदालत ने कहा था कि वह केवल पांच याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार व जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ को केंद्र की ओर से आश्वासन दिया गया था कि वह 5 मई तक न तो वक्फ बाय यूजर समेत वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करेगा, न ही केंद्रीय वक्फ परिषद व बोर्डों में कोई नियुक्ति करेगा।

डीपीएस स्कूल बिल्हौर की वैन में धक्के लगाने को मजबूर बच्चे

» साहब! ये तो लापरवाही की हद है

» नामी गिरामी स्कूल में चल रहे खटारा वाहन

» चिलचिलाती धूप में वैन में धक्का लगाकर घर पहुँचे बच्चे

» एक दुकानदार ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर किया वायरल

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। कस्बे के एक नामी स्कूल की छुट्टी होने पर स्कूली गाड़ी से घर जा रहे बच्चों को चिलचिलाती धूप में जीटी रोड पर बंद हुई गाड़ी में धक्का लगाकर घर जाना पड़ा। जिसका वीडियो एक दुकानदार ने बनाकर वायरल कर दिया। पंद्रह सेकेण्ड के इस वायरल वीडियो में बंद स्कूली वैन में दो

स्कूली बच्चे धक्का लगा रहे हैं

सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो की आपका अपना स्वराज इंडिया अखबार पुष्टि नहीं करता है। स्वराज इंडिया ने वायरल वीडियो की पड़ताल की तो पता चला वह वैन कस्बे के डीपीएस स्कूल की ईको वैन है । वह अचानक ककवन रोड़ तिराहे के आसपास बंद हो जाती है। वैन ख़राब होने के बाद बच्चों के द्वारा इसमें काफ़ी दूर तक धक्का लगाया जाता है। ऐसे में बच्चो की जान पर मुसीबत आ सकती थी। कहीं धक्का देते समय अचानक चालक स्पीड लेकर स्टार्ट करता और गाड़ी आगे बढ़ती तो धक्का लगा रहे बच्चे तो गिर जाते और किसी हादसे का शिकार भी हो जाते। इससे स्कूल के प्रबंधतंत्र को क्या फर्क पड़ता । वह तो स्कूल की हर चीज सुविधाओं से लैस,अच्छी सुविधाएं देने का दावा करते है।

डीपीएस यानि नाम बड़े दर्शन छोटे

बिल्हौर। नाम बड़े दर्शन छोटे वाली कहावत हाल ही में बिल्हौर में खुले डीपीएस स्कूल पर बिल्कुल सटीक बैठ रही है।

बीच सड़क पर वैन बंद होने पर धक्के लगाते स्कूली बच्चे

गौरतलब है कि डीपीएस स्कूल इसी सत्र से इंडस इंजीनियरिंग कॉलेज कैंपस में शुरू किया गया है। जानकारों की मानें तो किसी भी स्कूल को शुरुआती चरण में मान्यता हासिल करने के लिए कुछ मानक पूरे करने पड़ते हैं। यह मानक आनन फानन पूरे कर पाना संभव नहीं होता है। ऐसे में इस स्कूल ने यह मानक पूरे कर लिए होंगे यह कहना भी अतिशयोक्ति ही होगा। लेकिन संस्था ने बड़े नाम का फायदा उठाकर लंबे चौड़े दावे करके तमाम एडमिशन कर भी कर लिए हैं। लेकिन जिस

तरह से स्कूल खटारा वाहनों का प्रयोग करके बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहा है। उससे संस्था की विश्वसनीयता पर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाने के लिए घर-घर जाएंगे गुरुजी !

विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने एवं ड्रॉप आउट को कम करने के आदेश जारी

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। परिषदीय स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के प्रयास मई में भी लगातार जारी हैं। पिछले माह घर-घर जाकर जागरूक करने के बाद भी नामांकन बढ़ाने में कई स्कूल पीछे रह गए हैं। इसके बाद अफसरों के निर्देश पर अब शिक्षक घर-घर जाकर अभिभावकों को जागरूक करने में लगे हैं। बच्चों को नियमित स्कूल भेजने की अपील भी कर रहे हैं। शासन की ओर से बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए विभिन्न योजनाओं के साथ ही परिषदीय स्कूलों में शिक्षा का स्तर बेहतर करने पर जोर दिया जा रहा है। नए सत्र 2025-26 में परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की संख्या बढ़ाने की चल रही कवायद के बीच शासन ने उपस्थिति बढ़ाने व ड्रॉप आउट कम करने के लिए पूर्व में जारी आदेश को कुछ संशोधित कर दिया है।

इसके तहत अब बच्चा बिना कारण तीन दिन अनुपस्थित रहता है तो बुलावा टोली उसके घर जाकर संपर्क करेगी।

परिषदीय विद्यालयों में उपस्थिति बढ़ाने व ड्रॉप आउट कम करने के साथ ही बच्चे के लिए उपचारात्मक कक्षाएं भी चलेंगी।

शासन की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि कोई बच्चा छह या छह दिन से ज्यादा अनुपस्थित रहता है तो प्रधानाध्यापक उसके घर जाकर संपर्क करेंगे।

बच्चे के स्कूल वापस आने तक लगातार फॉलोअप करेंगे। साथ ही बच्चे के अभिभावक की काउंसिलिंग भी की जाएगी।

यदि बच्चा 10 दिन से अधिक अनुपस्थित रहता है तो शिक्षक-अभिभावक बैठक में माता-पिता की काउंसिलिंग कराई जाएगी। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने सभी डीएम को जारी आदेश में कहा है कि यदि

बच्चा नौ महीने में 21 दिन से अधिक अनुपस्थित रहा है तो उसके कारणों का विश्लेषण कर उसे दूर करने का प्रयास किया जाए।

यदि बच्चा 30 दिन से अधिक अनुपस्थित रहता है और नैट मूल्यांकन में 35 फीसदी से कम अंक पाता है तो उसके अभिभावक की काउंसिलिंग की जाएगी।

ऐसे बच्चे को ड्रॉप आउट मानते हुए विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने शासन की ओर से जारी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा है।

मुआवजे में कमीशन के खेल का असली मास्टरमाइंड कौन ?

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मैनावती मार्ग पर प्रस्तावित न्यू कानपुर सिटी परियोजना में बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया है। जमीन अधिग्रहण का मुआवजा दिलाने के नाम पर अमीन ने 12 लाख रुपये घूस ली गई। घूस का पैसा चेक के जरिए अपने दोस्त के खाते में ट्रांसफर कराने के बाद अमीन ने 12 लाख रुपये टीडीएस भुगतान के नाम पर और मांगे तो किसान ने सीधे केडीए वीसी से शिकायत कर दी तो खेल का खुलासा हुआ। वीसी ने अमीन को निलंबित करके पूरे मामले की जांच केडीए सचिव को दे दी है लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी परियोजना में लाखों रुपए का बंदरबांट किया गया और उच्च अधिकारियों को पता नहीं चल सका। इसमें अगर उच्च स्तरीय जांच की जाती है तो बड़ा घोटाला सामने आ सकता है।

- न्यू कानपुर सिटी में लॉन्चिंग से पहले भ्रष्टाचार में अमीन संतोष कुमार निलंबित, कई और अधिकारी निशाने पर
- ज़मीन अधिग्रहण में अरबों का रुपए का मुआवजा बांटा जा चुका है
- योगी आदित्यनाथ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति पर पानी फेर रहे कई अफसर

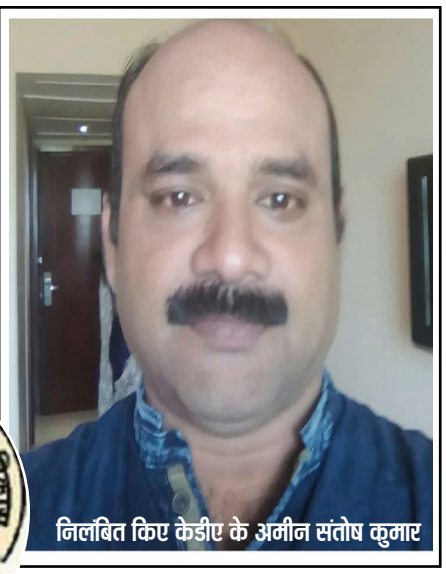
निलंबित किए केडीए के अमीन संतोष कुमार

जब तक घूस नहीं मिली तब तक रोके रहे मुआवजा

अमीन ने घूस की चेक न देने तक मुआवजे की चेक को दबा दिया। पूछने पर अमीन ने बार-बार फाइल आला अफसरों के पास होने का हवाला दिया। घूस के रूप में हस्ताक्षर की हुई चेक मिलने के बाद ही अमीन ने मुआवजे की चेक किसान को दी। इसके लिए उसको काफी समय तक चक्कर लगाना पड़ा। जब मुआवजे का पैसा मिल गया तो किसान को टीडीएस का पैसा दिलाने के नाम पर लगातार लटकाया गया। चक्कर लगाकर थकने के बाद किसान ने वीसी से शिकायत की। वहीं, मुआवजे की फाइल स्वीकृति के लिए सचिव स्तर तक जाती है। उसकी साइनिग अर्थारिटी सचिव ही होते है। ऐसे में महीनों फाइल केडीए में रुकना और मुआवजे के बाद टीडीएस का पैसा दिलाने के नाम पर दोबारा 12 लाख रुपये की घूस मांगा जाना केडीए पर सवाल उठ रहे हैं। क्योंकि उपाध्यक्ष मदन सिंह गड़ब्याल ईमानदार और साफ छवि के अधिकारी माने जाते हैं लेकिन उनके भी कार्यकाल में इतना बड़ा घोटाला हो जाना अपने आप में सवाल खड़े कर रहा है।

बिठूर में केडीए न्यू कानपुर सिटी योजना ला रहा है। इसके लिए 153 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। इसमें नोडल अफसर ओएसडी डॉ रवि प्रताप सिंह हैं। बिठूर के गंगपुर चकबदा निवासी किसान मनोज राठौर ने केडीए वीसी से शिकायत की। किसान ने बताया कि आराजी संख्या 135 रकबा 0.5330 के जुज भाग रकबा 0.205 हेक्टेयर में उसकी जमीन है। जिसे केडीए ने न्यू कानपुर सिटी योजना केलिए अधिग्रहित किया है। उसके बदले में 1.38 करोड़ रुपये मुआवजा केडीए से उसे मिलना था। जिसके बदले में लैंड बैंक अनुभाग एक में तैनात अमीन संतोष कुमार ने उससे 12 लाख रुपये मांगे।मुआवजे के बदले में 12 लाख रुपये की चेक संतोष कुमार को दी। जिसेसंतोष ने अपने दोस्त के खाते में लगाकर पैसा निकाल लिया। तब उसे मुआवजे की चेक दी गई।12 लाख रुपये घूस लेने के बाद अमीन ने टीडीएस के पैसे का भुगतान कराए जाने के लिए दोबारा 12 लाख रुपये मांगे। दोबारा 12 लाख रुपये न देने पर टीडीएस का भुगतान गया। वार-बार उसे टीडीएस भुगतान के लिए घूस मांगी जा रही थी। वीसी ने किसान की बात को सुनकर तत्काल प्रभाव से अमीन संतोष कुमार को निलंबित कर दिया। पूरे मामले की जांच सचिव केडीए अभय कुमार पांडेय को दी है। संतोष कुमार को कार्मिक विभाग में अटैच किया

2 अरब 38 लाख रुपए का बांटा गया है मुआवजा

केडीए द्वारा प्रस्तावित न्यू कानपुर सिटी परियोजना में अब तक 265 किसानों को मुआवजे के तौर पर दो अब 38 लाख रुपए बांटे जा चुके हैं । इसमें आरोप है कि 10प्रतिशत कमीशन घूस के तौर पर ली गई है इसमें जो मामला चेक से पकड़ा गया इसके बाद पूरे खेल बेनकाब हो चुका है ।

फोन उठाने से बचते रहे केडीए अफसर

घूसकांड का खुलासा होने के बाद मीडिया ने जब केडीए के अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया तो अधिकारी मीडिया से बात करने से बचते नजर आए। मामले में सचिव और ओएसडी सहित अन्य कई अधिकारियों को फोन किया गया लेकिन फोन रिसीव नहीं हुए।

आईजीआरएस में खराब रैंकिंग से गिर रही नगर निगम की साख

» पोर्टल पर संपर्क किये जाने के लिये रैंकिग अंक प्रदान किया जाना अभी कुछ माह से ही आरम्भ किया गया है

» जनसुनवाई शिकायत निवारण प्रणाली के निस्तारण पर सख्त हुए नगर आयुक्त कानपुर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। आईजीआरएस रैंकिंग में नगर निगम की स्थिति को बेहतर किये जाने के सबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक नगर आयुक्त के निर्देश पर मोतीझील स्थित सभागार के अपने सभी अधिकारियों के साथ की गयी। जिसमें शिकायतकर्ता की शिकायत के निस्तारण के उपरान्त जिलाधिकारी, मण्डलायुक्त , निदेशालय अथवा शासन स्तर से समीक्षा के दौरान फीडबैक लिये जाने पर असंतुष्ट फीडबैक दिये जाने एवं शिकायतकर्ता से निस्तारण से पूर्व सपर्क न किये जाने के कारण नगर निगम कानपुर की रैंकिग मार्किंग में कम प्रतिशत मे अंक प्राप्त हुये है। बाकी सभी श्रेणी में प्राप्त मार्किंग पूर्व के तरह अच्छी है।

पोर्टल पर संपर्क किये जाने के लिये रैंकिग अक प्रदान किया जाना अभी कुछ माह से ही आरम्भ किया गया है, इसमे सुधार किये जाने से निश्चित ही नगर निगम अन्य सभी विभागों पीछे करते हुये प्रथम स्थान प्राप्त कर सकता है। जनवरी माह में नगर निगम कानपुर ने 95 प्रतिशत अंक अर्जित किये थे बैठक में अपर नगर आयुक्त अनूप बाजपेयी, नोडल अधिकारी आई0जी0आर0एस0 रविशंकर, नगर स्वास्थ्य अधिकारी अजय शंखवार, मुख्य अभियन्ता एस0एफ0ए0 जैदी, जोनल स्वच्छता अधिकारी, अभियन्त्रण व मार्ग प्रकाश विभाग आदि विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ जोनल अधिकारी श्री विनय प्रताप, सी0पी0 सिंह, विद्यासागर

उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों को प्रत्येक दशा में शिकायतकर्ता से वार्ता किये जाने एवं इसका विवरण अपनी आख्या में लिखे जाने के सबंध में निर्देशित किया गया।

इसी प्रकार यदि किसी कारण से शिकायत का निवारण तत्काल किया जाना सभव न होर तो भी इस स्थिति को भली प्रकार से नियम/अधिनियम / शासनादेश / वित्तीय स्थिति से शिकायतकर्ता को भली-भांति अवगत कराया जाये, जिससे वह संतुष्ट हो और फीडबैक में विपरीत फीडबैक न दे।अंत में कानपुर नगर निगम की रेंकिग में अच्छी वृद्धि की आशा के साथ जनवरी माह में प्राप्त 95 प्रतिशत अंकों से अधिक अंक प्राप्त कराने और असंतोष फीडबैक की सख्या शून्य किये जाने के लक्ष्य के साथ बैठक समाप्त हुयी ।

आईआईटी कानपुर से 2 करोड़ 32 लाख की राजस्व वसूली

नगर आयुक्त सुधीर कुमार के निर्देश पर हुई सख्त वसूली,नगर निगम कानपुर की बड़ी सफलता

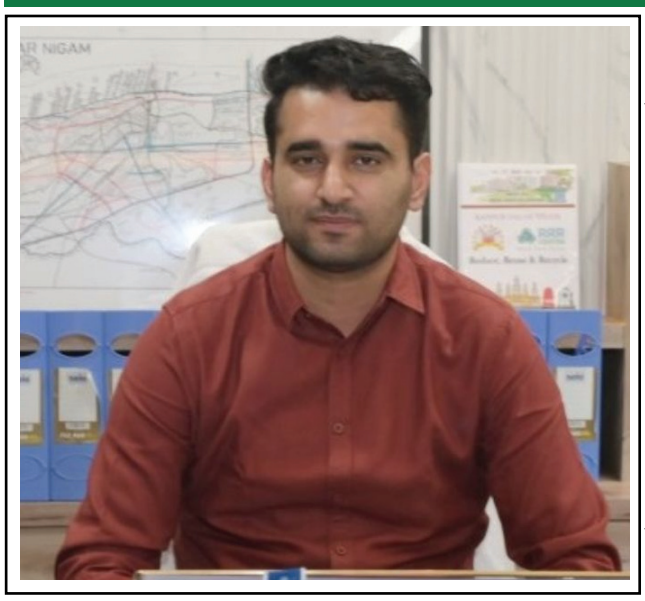

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।नगर आयुक्त सुधीर कुमार के दिशा निर्देशन में नगर निगम कानपुर ने अपनी वसूली अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। दिनांक 15 मई 2025 को नगर निगम जोन 6 की टीम ने आईआईटी कानपुर से राजस्व वसूली के तौर पर 2 करोड़ 32 लाख 98 हजार 855 रुपये की राशि सफलतापूर्वक वसूल की है।

इस उपलब्धि से नगर निगम कानपुर की राजस्व वसूली में वृद्धि होगी और शहर के विकास कार्यों में मदद मिलेगी। नगर निगम की टीम यथा जोनल अधिकारी रविशंकर यादव, कर अधीक्षक प्रीतम वर्मा तथा राजस्व निरीक्षक आवेश वर्मा के द्वारा इस वसूली अभियान में कड़ी मेहनत और लगन से काम किया है, जिसके परिणामस्वरूप यह सफलता मिली है।नगर निगम कानपुर का प्रयास है कि शहर के विकास के लिए अधिक से अधिक राजस्व वसूली की जा सके और शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा सकें। हमें उम्मीद है कि आगे भी नगर निगम कानपुर की टीम इसी तरह की सफलता हासिल करेगी और शहर के विकास में अपना योगदान देगी।

शोक संदेश

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है
कि हमारी पूज्यनीय माता जी श्रीमती उर्मिला देवी
का स्वर्गवास दिनांक 04.05.2025 दिन: रविवार को हो गया है।
त्रयोदशी संस्कार दिनांक: 17.05.2025 दिन: शनिवार को
सांयकाल होना सुनिश्चित किया गया है अत:
आप महानुभाव से निवेदन है कि उक्त तिथि पर पधार कर
उनकी दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करें

127/875 डब्ल्यू-1 साकेत नगर (सुशीला नर्सिंग होम के पीछे)

शोकाकुल
समस्त
द्विवेदी परिवार

मो. 9838500750
9235841413
6307590572
9026154980

सम्पादकीय

मंत्री की अनर्गल बयानबाजी अक्षम्य

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश की बहादुर सेना ने जब पाक को सबक सिखा, देश को गौरव का अहसास कराया तब नफरती ट्रोल सेना, नीचता की सीमा तक गिरती नजर आई। जिसके विरोध में देश में तीखे गुस्से की लहर देखी गयी। इस बिगड़ैल ट्रोल सेना ने ऑनलाइन गाली-गलौज करने में किसी को भी नहीं बख्शा। यहां तक कि सादगी के व्यक्तित्व व गरिमापूर्ण अभिव्यक्ति वाले विदेश सचिव विक्रम मिसरी तक को नहीं छोड़ा। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा भी निशाने पर आए। यहां तक कि पहलगाम हमले में विधवा हुई हिमांशी नरवाल को भी नहीं बख्शा गया। इसकी वजह यह थी कि उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने और पहलगाम की घटना के बाद कश्मीरियों को निशाने पर न लेने का आह्वान किया था। निश्चित रूप से यह देश में सामाजिक समरसता के लिये वक्त की आवाज भी थी। लेकिन सबसे परेशान करने वाली घटना वह थी, जिसमें भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह ने बेसिर-पैर का सांप्रदायिक सोच वाला बयान दिया। दरअसल, इस सप्ताह की शुरुआत में मंत्री विजय शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रेस ब्रीफ देने वाली कर्नल सोफिया के बारे में चौंकाने वाली सांप्रदायिक टिप्पणी की थी। निश्चय ही देश के लिये महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिला सैन्य अधिकारी के बारे में ऐसी टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। मंत्री ने असंगत रूप से पहलगाम में आतंक फैलाने वाले आतंकवादियों से दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से साम्य दर्शाने का कुत्सित प्रयास किया। हालांकि यह टिप्पणी सोमवार को की गई थी, लेकिन मंत्री शाह के खिलाफ प्राथमिकी मुश्किल से बुधवार रात दर्ज की गई। वह भी शासन द्वारा स्वत- संज्ञान लेने के बजाय मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की सख्ती के बाद ही दर्ज की गई। हाईकोर्ट ने कर्नल कुरैशी के खिलाफ 'गटर की भाषा' इस्तेमाल करने के लिए मंत्री शाह को फटकार लगायी। सही मायनों में हाईकोर्ट ने न केवल मंत्री को आईना दिखाया बल्कि तमाम बेलगाम बयानबाजी करने वालों को भी सख्त संदेश दिया।

उल्लेखनीय है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद जब आरोपी मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट से राहत के लिये गुहार लगायी तो सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें आड़े हाथ लिया। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को चेतावनी दी कि एक मंत्री को ऐसे समय में जिम्मेदारी की भावना के साथ बोलना चाहिए, जब देश चुनौतिपूर्ण स्थिति से गुजर रहा हो। फिर कोर्ट की सख्ती के बाद शाह ने खेद व्यक्त किया। उन्होंने फिर सफाई दी कि वह कर्नल कुरैशी का अपनी बहन से ज्यादा सम्मान करते हैं। लेकिन जैसे कमान से निकला तीर वापस नहीं लौटता है, उसी तरह उनकी अनर्गल बयानबाजी से जो नुकसान हो चुका था, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं है। इससे बड़ी विसंगति यह भी कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की तात्कालिक गंभीर पहल नहीं की। यह विडंबना ही है कि पार्टी नेतृत्व इंतजार का खेल खेल रहा है। वहीं दूसरी ओर आरोपी मंत्री अपने बचाव के लिये कानूनी विकल्पों को आजमाने में व्यस्त रहा है। दरअसल, भाजपा की राजनीतिक मजबूरी यह है कि जातीय समीकरणों के हिसाब से वे पार्टी के लिये महत्वपूर्ण हैं। वे उस राज्य में आदिवासी कल्याण मंत्री हैं जहां अनुसूचित जनजातियों की आबादी का पांचवां हिस्सा मौजूद है। लेकिन इतना तो तय है कि चाहे उनका राजनीतिक प्रभाव कितना भी क्यों न हो, उन्हें सशस्त्र बलों के साथ-साथ ही महिलाओं का अपमान करने की छूट नहीं मिल जाती। पार्टी को राष्ट्र को आश्वस्त करने के लिये अनुकरणीय कार्रवाई करनी ही चाहिए।

युद्ध से पहले युद्ध जीतने की रणनीति

एस एस मेहता

पाकिस्तानी करतूतों के जवाब में हमारा संदेश यह है कि लड़ाई हम शुरू नहीं करेंगे,लेकिन तय हम करेंगे कि युद्ध शुरू कब हो और खत्म कब हो। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की प्रतिक्रिया नपी-तुली रही और कार्रवाई प्रभावी व सटीक।ऑपरेशन सिंदूर का अचानक खत्म हो जाना चौंकाने वाली घटना थी - वास्तव में, परीक्षा में 'पाठ्यक्रम से बाहर' का सवाल आने जैसा! गनीमत कि फुल स्केल वॉर टल गयी और उम्मीद करें कि संघर्ष विराम उल्लंघन न हो। भले ही सशस्त्र बल हमारी सीमाओं पर सतर्क नज़र रखेंगे, लेकिन कुछ निष्कर्षों पर गर्मागर्म बहस हो सकती है। पाकिस्तान के नेतृत्व की ओर से नवीनतम उकसावा रणनीतिक नहीं था - लक्षणात्मक था। चिरपरिचित लहजे में, शब्दावली में नीति पर कम और दिखावे पर जोर ज्यादा था, शिकायतों का पुलिंदा, ऐतिहासिक अन्याय और वैचारिक खतरे को दोहराने वाला संबोधन था। लेकिन कुछ बुनियादी बदलाव आया है कि दुनिया ने सुनना बंद कर दिया। भारत ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी। यह चुप्पी खंडन से ज्यादा ज़ोरदार रही।

भारत के लिए, यह घड़ी प्रतिक्रिया की नहीं- उसे उजागर करने की रही। पाकिस्तान, जो कभी राष्ट्र होता था, अब एक टोला बन चुका है, भ्रमित लोगों का टोला, जिसमें अराजकता और टकराव की बात करने वाले कुछ लोगों ने स्थिरता-सम्मान के चाहवानों को दबा रखा है।चिंगारी विफल हुई - कश्मीर का प्रत्युत्तर - अगर पर्यटक नरसंहार का उद्देश्य कश्मीर में अशांति भड़काने का था, तो प्रतिक्रिया उद्वेग विहीन रही। पहलगाम और घाटीभर में, असंतोष की लपटें नहीं उठी, कोई गुस्साई भीड़ नहीं। रोज़मर्रा ज़िंदगी चलती रही। लोगों ने रोष प्रदर्शन के बजाय शांति का संकल्प चुना।भारत आहत हुआ। यह भारत का पहला और गहनतम उत्तर था। भाषणों से नहीं, बल्कि स्थिरता से। भारत की ताकत इसकी विविधता की संबद्धता में है। कश्मीर में भी- कन्याकुमारी या कोहिमा की भांति- संविधान संबद्धता की गारंटी देता है। सशस्त्र बल इसे यकीनी बनाते हैं, लोग कायम रखते हैं। भारत की विविधता में एकता, कमज़ोरी नहीं, अब रणनीतिक सिद्धांत है। फूट डालने के आह्वान का उत्तर बयानबाज़ी से नहीं, बल्कि टिकाऊ सत्य से दिया गया - भारत अनेक है, फिर भी एक है। बिना दिखावे के सटीकता - जब उधर लाउडस्पीकरों पर दमगज़े गूंज रहे थे, भारत ने कार्रवाई की- चुपचाप, सटीक और बिना नाटकीयता। नियंत्रण रेखा पार और उसके आगे जाकर आतंकी ढांचे पर हमलों की घोषणा धूमधाम से नहीं की। हमले नपे-तुले, प्रभावी और उद्देश्यपूर्ण थे। फिर भी, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की भाषा रही - मौन। पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल आतंकवादियों की मेजबानी करने, उनके शव सैन्य झंडे में लपेटने, उनका कफन-दफन राजकीय सम्मान से करने पर किसी ने ऐतराज नहीं किया। सवाल नहीं उठा कि वैश्विक तौर पर घोषित हत्यारों को सलामी देकर इज्जत क्यों की दी जाती है। वैश्विक व्यवस्था, एक बार फिर, अपनी कसौटी पर खरी नहीं उतरी। हालांकि, भारत का लक्ष्य तालियां बटोरना नही था, यह प्रतिकर्म निवारक था। संदेश स्पष्ट था - भारत की सीमा रेखा अब सरक चुकी है। प्रतिक्रियाएं अब बिना शोर-शराबा, किंतु वजनदार होंगी। तनाव बढ़ना, फिर घटना भारत की शर्तों पर - पाकिस्तान की प्रतिक्रिया ढर्रे की रही - मिसाइलों, ड्रोन से हमला। ज्यादातर को भटका दिया या मार गिराया, बाकी बेअसर कर डाले। इसने हमारी दूसरी प्रतिक्रिया शुरू कराई - नपी-तुली, किंतु सटीक। न केवल आतंकी शिविरों, बल्कि सैन्य हवाई अड्डों को भी निशाना बनाया। अंधाधुंध नहीं बल्कि बहुत सोच-समझकर। यह केवल तनाव बढ़ाने की खातिर टकराव बढ़ाना नहीं था। इस कार्रवाई में सिद्धांत था। सटीकता थी, जिसने क्षमता, इरादे और संयम को प्रेषित किया। इससे उसे करारी चोट पहुंची।और यह कारगर रहा। पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने धमकी देकर नहीं, बल्कि तनाव घटाने के आह्वान के साथ संपर्क किया। भारत ने स्वीकार किया- बतौर रियायत नहीं, बल्कि नियंत्रण। इस पलों पर संचालन सधा रहा : न धमकाया, केवल नपा-तुला परिणाम। यह सदा बहस का विषय रहा लेकिन संघर्ष समाप्त करना आसान विकल्प नहीं होता। अपनी प्रतिक्रिया को लेकर भारत ने नई सीमा तय कर दी। उसे घोषित करने की ज़रूरत नहीं - कार्रवाई में सबूत मिला।

लाहौर केस की स्वतंत्रता आंदोलन में निर्णायक भूमिका

मोदी डॉक्ट्रिन

के एस तोमर

प्रधानमंत्री मोदी का यह डॉक्ट्रिन इतिहास में एक परिवर्तनकारी नीति के रूप में अंकित होगा, जिसने पाकिस्तान की आतंकवाद-प्रेरित गतिविधियों के प्रति भारत के दृष्टिकोण को निर्णायक रूप से फिर से परिभाषित किया। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयरस्ट्राइक इस बदलते दृष्टिकोण का जीवित प्रमाण हैं।मोदी के भाषणों का गहन विश्लेषण दर्शाता है कि उनका डॉक्ट्रिन केवल शब्दों तक सीमित नहीं है-यह अडिग संकल्प के साथ लागू किया गया है। भारत द्वारा नौ आतंकवादी शिविरों का खात्मा और पाकिस्तान के ग्यारह एयर बेसों को नष्ट करना इस नई नीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

संदेश स्पष्ट है कि चरमपंथियों को, चाहे वे पाकिस्तान सेना द्वारा शरण प्राप्त करें या स्वतंत्र रूप से कार्य करें, राज्य कर्ताधर्ता के रूप में माना जाएगा और दोनों को प्रतिशोध का सामना करना पड़ेगा। मोदी ने इस डॉक्ट्रिन का उपयोग एक व्यापक वैश्विक संदेश देने के लिए भी किया है—पाकिस्तान की आतंकवादी नीति केवल भारत की समस्या नहीं है। प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि इस्लामाबाद का आतंकवादी नेटवर्क पश्चिमी शक्तियों को भी निशाना बना चुका है। संयुक्त राज्य अमेरिका पर हुए 9/11 के हमले और लंदन मेट्रो में हुए घातक बम विस्फोटों के तार पाकिस्तान में प्रशिक्षित आतंकवादियों से जुड़े हुए हैं। मोदी के अनुसार, पाकिस्तान में राज्य और आतंकवाद एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, जिससे यह देश अपने प्रॉक्सी युद्ध के कृत्यों में सम्मिलित हो जाता है।

घरेलू स्तर पर, मोदी डॉक्ट्रिन की

सफलता 2029 के लोकसभा चुनावों और आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में बीजेपी की संभावना को बढ़ा सकती है। आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ रुख 2019 पुलवामा हमले के बाद की सर्जिकल स्ट्राइक जैसे राष्ट्रवादी भावनाओं को सशक्त बना सकता है, जो चुनावी गति में एक महत्वपूर्ण कारक साबित हो सकता है। मोदी सरकार की निर्णायक कार्रवाइयां प्रभावी रूप से चुनावी अभियानों में इस्तेमाल की गई हैं, मोदी को एक मजबूत नेता के रूप में प्रस्तुत किया गया है जो भारत की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है। विपक्षी दलों के लिए इस विमर्श को नकारने में मुश्किल हो सकती है, क्योंकि वे राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में अक्सर रक्षात्मक नजर आते हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह डॉक्ट्रिन इतिहास में एक परिवर्तनकारी नीति के रूप में अंकित होगा, जिसने पाकिस्तान की आतंकवाद-प्रेरित गतिविधियों के प्रति भारत के दृष्टिकोण को निर्णायक रूप से फिर से परिभाषित किया। दशकों तक, सीमा पार आतंकवाद को कूटनीतिक आदान-प्रदान और तपे-तुले उत्तरों के साथ निपटा गया था। लेकिन मोदी के नेतृत्व में, भारत ने यह घोषणा की है कि आतंकवादी हमलों को अब युद्ध की कार्रवाई के रूप में माना जाएगा—जिसमें सबसे कड़ा दंड, सीमा पार हमलों और आतंकवादियों और उनके संरक्षकों के खिलाफ प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया शामिल होगी। मोदी डॉक्ट्रिन का एक और प्रमुख पहलू पाकिस्तान द्वारा प्रचारित परमाणु युद्ध के खतरे को नष्ट करना है। इस्लामाबाद की आदत बन चुकी परमाणु कूटनीति अब प्रभावहीन हो गई है, क्योंकि भारत ने यह प्रदर्शित कर दिया है कि वह परमाणु डर को दरकिनार करते हुए निर्णायक प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार है। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयरस्ट्राइक इस बदलते दृष्टिकोण का जीवित प्रमाण हैं।भारत की सीमा पार जाकर आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने की तत्परता न केवल भारत की सुरक्षा को सुनिश्चित रखती है, बल्कि इसने एक शक्तिशाली वैश्विक संदेश भी दिया है। इसने यह प्रदर्शित किया कि राष्ट्रों के पास आतंकवाद की जड़ें नष्ट करने का संप्रभु अधिकार है, यदि कोई और विकल्प न हो, और यह सिद्धांत अमेरिका, इस्राइल जैसे अन्य देशों के लिए भी प्रासंगिक है जो समान खतरों का सामना कर रहे हैं।

कलक्टरगंज मंडी में तीसरे दिन भड़की रुई गोदाम में आग

लाटूश रोड की दो फायर टेंडर ने पाया काबू

कानपुर। कलक्टरगंज इलाके में बीते दो दिन पूर्व लगी आग धीरे धीरे भड़क उठती है। आज तीसरे दिन फिर से रुई गोदाम में आग भड़क गई । आग ने देखते हो देखते विकराल रूप धारण कर लिया और आस पास की दुकानों को चपेट में ले लिया । गनीमत यह रही कि आग की सूचना मिलते ही लाटूश रोड से दो फायर टेंडर ट्रक आए और तत्काल कार्यवाही करते हुए आग पर काबू पा लिया गया।फिलहाल अभी तक दोबारा आग लगने के कारणों और नुकसान की जानकारी नहीं मिल सकी है । आग लगने के बाद मौके पर इकट्ठा भीड़ को काबू करने के लिए इलाकाई पुलिस फोर्स भी मौके पर पहुंच गई । कलक्टरगंज में आग के तांडव से करोड़ों रुपयों का नुकसान के साथ दर्जनों दुकानें स्वाहा हुई हैं। जिसमें व्यापारियों का लाखों का नुकसान हुआ था । हाल ही में कानपुर आए मंत्री नंद गोपाल से मिल कर व्यापारी नेताओं ने कलक्टरगंज अग्निकांड से हुए नुकसान की जानकारी देते हुए उनसे सरकार के द्वारा बाजार की दुकानों को पक्का करवाने और आग से हुए नुकसान का मुआवजा दिलवाने का प्रस्ताव दिया था।जिस पर उन्हें सरकार की तरफ से जल्द ही कोई ठोस आश्वासन की बात कही गई थी ।

फोटो क्रेडिट- पृथ्वी गुप्ता

योजना नदियों के नाम पर फ्लैटों में पानी नहीं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। भागीरथी और जाह्नवी नदियों के नाम पर विकसित की गई भागीरथी-जाह्नवी पीएम आवास योजना के फ्लैटों में रहने वाले लोग पानी के लिए परेशान हैं। भीषण गर्मी में मोटर फुंक जाने से उन्हें पानी तक नसीब नहीं हो रहा है। गुरुवार को गुस्साए लोगों जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया। डीएम ने आश्वासन देकर उन्हें शांत कराया।

भागीरथी–जाह्नवी योजना में 2208 फ्लैट हैं। छह महीने पहले योजना के करीब 500 आवंटियों को फ्लैट आवंटित किए गए थे। जब आवंटी वहां रहने पहुंचे तो उन्हें न तो पानी मिला, न बिजली कनेक्शन। सीवर लाइन तक चालू नहीं की गई थी। यहां रहने वाले विशेष सिंह, स्वाति त्रिपाठी, आशा त्रिपाठी, किरन, ममता राजपूत, रुक्मिणी, दिलीप गुप्ता, मंजीत श्रीवास्तव आदि ने बताया कि मूलभूत सुविधाओं के लिए केडीए के अधिकारियों से कई बार मिले पर हर बार आश्वासन देकर टरकाया गया। काफी जद्दोजहद के बाद केडीए ने वहां केस्को से ट्रांसफार्मर लगवाया।

15 दिन पहले ट्यूबवेल चालू होते ही चार जगह पाइपलाइन टूट गई। उसे जोड़ने के बाद ट्यूबवेल चालू किया तो उसकी मोटर फुंक गई। चार दिन पहले मोटर की मरम्मत कराकर जैसे ही पानी की आपूर्ति शुरू की तो नौ जगह पाइपलाइनें टूट गईं। पानी सड़कों से लेकर नालियों में बह गया पर फ्लैटों में बूंद भर पानी भी नसीब नहीं हुआ। इसी तरह केडीए और केस्को की खींचतान की वजह से बिजली कनेक्शन भी नहीं मिल सके हैं। केडीए कहता है कनेक्शन केस्को देगा, जबकि केस्को के अधिकारी कहते हैं कि योजना उन्हें हैंडओवर नहीं हुई है। हस्तांतरण हुए बिना वे कनेक्शन नहीं देंगे।

इस वजह से तमाम लोग आसपास के मोहल्लों मे किराये के कमरे लेकर रहने के लिए मजबूर हैं। अवधेश अवस्थी, अखिलेश तिवारी, नासिर आदि ने बताया कि तमाम लोगों ने आसपास के स्कूलों में बच्चों के दाखिले करा दिए पर फ्लैट में बिजली, पानी न होने की वजह से वे यहां रह नहीं पा रहे। बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। प्रदर्शन में दिलीप गुप्ता, राहुल शुक्ला, सिद्धार्थ, कुंती तिवारी, कुसुम, मंजीत श्रीवास्तव, सूरज जायसवाल, उमाकांत, बृजकिशोर शुक्ला आदि शामिल रहे।

सबूत कमजोर, गवाह पलटे - बिकरू कांड के आरोपी छूटे

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नजीराबाद थानाक्षेत्र में 15 मार्च 2018 को दर्ज बलवा और मारपीट के मामले में बिकरू कांड के चर्चित आरोपी जयकांत बाजपेई और उसके तीन भाइयों रजयकांत, अजयकांत और शोभित बाजपेई को एसीजेएम फर्स्ट अभिनव तिवारी की कोर्ट ने बरी कर दिया। कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत पेश करने में नाकाम रहा। इस केस की सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि खुद एफआईआर दर्ज करने वाले दरोगा दिनेश त्रिपाठी ने कोर्ट में जयकांत को पहचानने से इनकार कर दिया। वहीं, होमगार्ड तेज प्रताप जो घटनास्थल पर मौजूद था, उसने पहले बयान में कहा कि आरोपी मौके पर थे, लेकिन जिरह के दौरान उसने अंधेरे का हवाला देते हुए कहा कि पहचान नहीं सका। पुलिस ने मामले में कुल 12 गवाह पेश किए, जिनमें पांच प्रत्यक्षदर्शी थे, लेकिन सभी के बयान विरोधाभासी निकले। कोर्ट ने यह भी कहा कि विवेचना में गंभीर खामियां थीं, जिससे आरोपियों को संदेह का लाभ मिला। हालांकि जयकांत अभी बिकरू कांड समेत कई अन्य मामलों में जेल में ही रहेगा।

कमजोर जांच, गवाहों की पलटी से बच निकले जय बाजपेई और गुड्डन त्रिवेदी

बिकरू केस में गुड्डन त्रिवेदी को हाईकोर्ट से जमानत-

2 जुलाई 2020 को बिकरू गांव में हुए हत्याकांड में जिला पंचायत सदस्य अरविंद त्रिवेदी उर्फ गुड्डन, उसके ड्राइवर सुशील तिवारी और साथी अखिलेश शुक्ला उर्फ छोटू को आरोपी बनाया गया था। एटीएस ने गुड्डन और उसके ड्राइवर को मुंबई से गिरफ्तार किया था, जबकि अखिलेश को उसके गांव से पकड़ा गया। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार हुए करीब 4 साल 10 महीने हो चुके हैं। इस दौरान मामले में कुल 102 गवाहों की सूची बनाई गई, लेकिन अब तक सिर्फ 13 गवाहों के ही बयान हो सके हैं। बचाव पक्ष के वकील एलएम सिंह ने हाईकोर्ट में दलील दी कि जिन गवाहों के बयान हुए हैं, उन्होंने तीनों आरोपियों के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं दिया। उन्होंने कोर्ट को यह भी बताया कि घटना के समय आरोपी मौके पर मौजूद नहीं थे और उनके खिलाफ कोई प्रत्यक्षदर्शी प्रमाण नहीं है। अदालत ने इन तथ्यों को गंभीरता से लिया और तीनों आरोपियों को सशर्त जमानत दे दी। यह फैसला न सिर्फ कानूनी प्रक्रिया की धीमी गति को उजागर करता है, बल्कि इस हाई-प्रोफाइल केस की कमजोरियों को भी सामने लाता है।

बिकरू कांड की नींव- आठ पुलिसकर्मियों की नृशंस हत्या-

2 जुलाई 2020 की रात बिकरू गांव में जो हुआ, उसने पूरे उत्तर प्रदेश को दहला दिया। दबिश देने पहुंची पुलिस टीम पर कुख्यात अपराधी विकास दुबे और उसके गैंग ने सुनियोजित तरीके से हमला कर दिया था। इस हमले में तत्कालीन सीओ देवेंद्र कुमार मिश्र, एसओ विनय तिवारी समेत कुल आठ पुलिसकर्मी शहीद हो गए। पूरी टीम को घात लगाकर फँसाया गया था और फिर छतों से गोलियां और बम बरसाए गए। इस वीभत्स वारदात के बाद पूरे प्रदेश में हड़कंप मच गया था। यूपी पुलिस ने इस हत्याकांड के बाद विकास दुबे समेत उसके छह साथियों को एनकाउंटर में मार गिराया। इसके अलावा इस केस में तीन अलग-अलग मुकदमे दर्ज हुए और कुल 36 लोगों को आरोपी बनाया गया। हालांकि इतने बड़े अपराध के बावजूद अब तक केवल 13 गवाहों के बयान हो पाए हैं, जो न्यायिक प्रक्रिया की धीमी चाल और कमजोर पैरवी की ओर इशारा करता है। बिकरू कांड आज भी यूपी की कानून-व्यवस्था पर सबसे बड़ा धब्बा माना जाता है।

गवाहों की पलटी, पुलिस की जांच सवालों के घेरे में

बिकरू कांड से जुड़े मामलों में एक के बाद एक आरोपी अदालत से राहत पा रहे हैं, और इसकी सबसे बड़ी वजह बन रही है – गवाहों की पलटी और पुलिस की लचर विवेचना। जिस मामले में जयकांत बाजपेई व उसके भाइयों को बरी किया गया, उसमें कुल 12 गवाह पेश किए गए, जिनमें 5 प्रत्यक्षदर्शी थे। लेकिन अदालती कार्यवाही के दौरान गवाहों ने या तो बयान बदल दिए या घटना के समय अंधेरा, भीड़, भगदड़ जैसे बहाने बताकर आरोपियों की पहचान करने से इनकार कर दिया। रिपोर्ट दर्ज कराने वाले दरोगा तक ने कोर्ट में जयकांत को नहीं पहचाना, जोकि पूरे मामले की गंभीरता को ही खारिज कर देता है। इसी प्रकार, बिकरू कांड में भी 102 गवाहों में से अब तक मात्र 13 के बयान हुए हैं, जिनमें से किसी ने भी तीन मुख्य आरोपियों के खिलाफ ठोस बयान नहीं दिया। सवाल यह उठता है कि क्या यह गवाहों पर दबाव का नतीजा है, या फिर पुलिस की जानबूझकर की गई कमजोर पैरवी? दोनों ही स्थितियों में जांच एजेंसियों की भूमिका कठघरे में है। ऐसे हाई-प्रोफाइल मामलों में अगर यही रवैया जारी रहा, तो न्याय की उम्मीद धीरे-धीरे खत्म होती चली जाएगी और अपराधियों का मनोबल और बढ़ेगा। बिकरू जैसे मामले सिर्फ एक गांव या जिले की नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की परीक्षा हैं – और फिलहाल यह सिस्टम उस परीक्षा में फेल होता नजर आ रहा है।

कानपुर की व्याख्या तिवारी ने अर्जित किए 94प्रतिशत अंक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । श्याम नगर स्थित डॉ वीरेंद्र स्वरुप एजुकेशन सेंटर में पढ़ने वाली मध्यम वर्गीय परिवार की व्याख्या तिवारी ने सीबीएसई बोर्ड की दसवीं कक्षा में 94प्रतिशत अंक अर्जित किए।

प्राइवेट जॉब करने वाले पिता सिद्धार्थ तिवारी ने अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर कहा कि बेटी ने हमारा नाम रोशन किया है।

हमें उस पर गर्व है। मां विनीत तिवारी ने कहा कि हमारी बेटी बहुत ही मेधावी है ।

पढ़ाई के प्रति लगन से उसने यह उपलब्धि हासिल की है।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कानपुर में निकली तिरंगा यात्रा

सेना के अद्दम्य साहस की गाथा है सिंदूर ऑपरेशन

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर।आतंक के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर कानपुर में भाजपा नेताओं ने तिरंगा यात्रा निकाली. इसमें उत्तर जिले ने जहां मोतीझील स्थित कारगिल पार्क से यात्रा निकाली तो दक्षिण जिले ने श्यामनगर में शुभम द्विवेदी के घर से यात्रा निकाली.इस तिरंगा यात्रा में भाजपा नेताओं के हाथों में तिरंगे के साथ ही कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के पोस्टर भी दिखाई दिए.देशभक्ति के गीतों के बीच निकली तिरंगा यात्रा में सांसद रमेश अवस्थी, विधायक नीलिमा कटियार, सुरेंद्र मैथानी, महापौर प्रमिला पांडेय, उत्तर जिलाध्यक्ष समेत अन्य भाजपा नेता शामिल हुए. भाजपा नेताओं तिरंगा यात्रा के जरिए सेना के शौर्य और पराक्रम के बारे में आम लोगों को जानकारी दी. इस दौरान पाकिस्तान मुर्दाबाद के भी नारे लगाए गए.

जेएमडी वर्ल्ड स्कूल को कानपुर में प्रथम स्थान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जेएमडी वर्ल्ड स्कूल ने एक बार फिर से शहर का नाम रोशन किया है। प्रतिष्ठित एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग्स 2024-25 में स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान, कानपुर में प्रथम स्थान, और पूरे भारत में सातवां स्थान प्राप्त किया है।

इन उपलब्धियों के साथ-साथ, जेएमडी वर्ल्ड स्कूल को एजुकेशन वर्ल्ड ग्रैंड ज्यूटरी अवार्ड्स 2024-25 के अंतर्गत कैंपस आर्किटेक्चर और डिज़ाइन अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है।

यह पुरस्कार स्कूल की विश्वस्तरीय अधोसंरचना, सुविचारित रूप से डिज़ाइन किए गए शिक्षण क्षेत्रों और विद्यार्थियों के अनुकूल, प्रेरणादायक वातावरण के निर्माण

पूरे भारत में सातवां स्थान प्राप्त हुआ

हेतु समर्पण को मान्यता देता है। 7 एकड़ में फैले इस स्कूल परिसर में हवादार और रोशन कक्षाएं, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, एक बहुउद्देशीय सभागार तथा एक विशाल खेल परिसर शामिल है, जिसमें अर्ध-ओलंपिक आकार का स्विमिंग पूल, स्केटिंग रिंक और स्क्वैश कोर्ट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

ये उपलब्धियां स्कूल की अकादमिक उत्कृष्टता, नवाचारपूर्ण शिक्षण दृष्टिकोण और विद्यार्थियों के समग्र विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। जेएमडी वर्ल्ड स्कूल न केवल कानपुर बल्कि पूरे देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए मानदंड स्थापित कर रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

सरकारी राशन कोटा पाने के लिए हुआ चुनाव

गांव वालों ने अनुज कुमार को किया विजयी

» अब नहीं करना होगा तीन किलोमीटर का सफर, गांव में ही मिलेगा राशन जीत के बाद ग्रामीणों में दिखी खुशी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । महमूदपुर बुजुर्ग गांव में सरकारी उचित दर राशन दुकान के लिए हुए चुनाव में अनुज कुमार ने 190 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। जैसे ही उनकी जीत की घोषणा हुई, ग्रामीणों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया और खुशी का इज़हार किया।

तहसील सिकंदरा क्षेत्र के इस ग्राम पंचायत में दूसरी सरकारी राशन दुकान को लेकर शुक्रवार को मतदान हुआ, जिसमें सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक कुल 752 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चार प्रत्याशियों के बीच हुए इस मुकाबले में अनुज कुमार को 412 वोट मिले, जबकि निकटतम प्रतिद्वंदी अंजेश कुमार को 222 वोट हासिल हुए।

अन्य उम्मीदवार रंजीत को 24 और ममता देवी को 48 वोट मिले। चुनाव में 46 मत अमान्य घोषित किए गए।

चुनाव प्रक्रिया की निगरानी नोडल अधिकारी अजय गुप्ता ने की। इस अवसर पर एडीओ पंचायत कल्याण सिंह, ग्राम पंचायत अधिकारी दीपक यादव, रोजगार सेवक दीपू यादव, पंचायत सहायक सुधा नायक और बीएमएम धर्मेन्द्र गौतम मौजूद रहे। सुरक्षा की दृष्टि से थाना सिकंदरा की पुलिस भी मुस्तैद रही।

यह चुनाव ग्रामीणों के लिए बेहद महत्वपूर्ण था,

क्योंकि अब तक उन्हें राशन लेने के लिए तीन किलोमीटर दूर हाइवे पार करना पड़ता था, जिससे कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी थीं। अनुज कुमार की जीत से अब गांव में ही राशन मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

पूर्व प्रधान प्रतिनिधि बच्चन सिंह नायक ने बताया कि दुकान की स्थापना से ग्रामीणों में भारी उत्साह और संतोष है।

शहीद के नाम पर विद्यालय बदहाल,कागजों पर होती मरम्मत

खंड शिक्षा अधिकारी मलासा कार्यालय के सामने ही बना खस्ताहाल स्कूल!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । जिले में शिक्षा सुधार के नाम पर हर साल करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर है। विकास खंड मलासा के सिविलियन विद्यालय की हालत यही बयां कर रही है। शहीद मूरत सिंह के नाम पर बने इस विद्यालय की पहचान तक मिटती जा रही है, और प्रधानाचार्य की मनमानी ने स्कूल को बदहाली के रास्ते पर ला खड़ा किया है।

विडंबना यह है कि इसी जर्जर विद्यालय प्रांगण में खंड शिक्षा अधिकारी का कार्यालय भी स्थित है, लेकिन फिर भी जिम्मेदार अफसर अनजान बने हुए हैं। कंपोजिट ग्रांट के नाम पर शासन द्वारा भेजी गई रकम कागजों में खर्च दिखाकर हज़म कर ली गई है। रंगाई-पुताई और अन्य मरम्मत कार्यों की हकीकत स्कूल के मुख्य गेट पर नज़र आती है—टूटा हुआ गेट और बिखरा परिसर व्यवस्था की पोल खोलता है।14वें और राज्य वित्त आयोग से जारी फंड भी स्कूलों के कायाकल्प में कोई असर नहीं दिखा पा रहे हैं। छोटे-छोटे बच्चे भीषण गर्मी में बिना पर्याप्त संसाधनों के शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने स्कूल की मरम्मत और गेट सुधार की मांग की है, लेकिन बेसिक शिक्षा विभाग से लेकर उच्चाधिकारियों तक की अनसुनी जारी है।

बेसिक शिक्षाधिकारी अजय कुमार मिश्रा जिले को शिक्षा में अग्रणी बनाने का प्रयास जरूर कर रहे हैं, लेकिन जमीनी तस्वीर पूरी तरह उलट नजर आ रही है।

बच्चे, मन के सच्चे...

» शिक्षक के रूप में अभिभावको के पास अनगिनत अनुभव होते हैं खट्टे, मीठे, सफलताएँ, और असफलताएँ। ये अनुभव बच्चों को न केवल सिखाते हैं बल्कि उन्हें प्रेरित भी करते हैं

» बच्चों को प्रभावी ढंग से सिखाने के लिए साझा करें अपने अनुभव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अपने अनुभवों को साझा करके शिक्षक बच्चों के जीवन को और अधिक सफल और खुशहाल बना सकते हैं। शिक्षा का क्षेत्र न केवल ज्ञान के प्रसार करने का माध्यम है बल्कि यह एक ऐसा पथ है जो अनुभवों, विचारों और प्रेरणाओं से भरा होता है लेकिन क्या हम सच में इन अनुभवों का मूल्य समझते हैं ? क्या हम उन्हें दस्तावेजी रूप में संजोने की आवश्यकता महसूस करते हैं ? वास्तविकता यह है कि शिक्षण अनुभवों का लेखन एक अनिवार्य प्रक्रिया है जो न केवल शिक्षक की व्यक्तिगत विकास में सहायक है बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र के लिए लाभकारी भी है।

शिक्षक के रूप में उनके पास अनगिनत अनुभव होते हैं खट्टे, मीठे, सफलताएँ, और असफलताएँ। ये अनुभव बच्चों को न केवल सिखाते हैं बल्कि उन्हें प्रेरित भी करते हैं। माकारेंको की रोड टु लाइफ और गिजुभाई का दिवास्वप्न इस बात के प्रत्यक्ष उदाहरण हैं कि कैसे व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया जा सकता है। इन कृतियों ने न केवल लेखक के अनुभवों को समेटा है बल्कि उन्होंने शिक्षा की प्रक्रिया में सुधार लाने का मार्ग भी प्रशस्त किया है। यहां यह समझना आवश्यक है कि केवल अनुभव प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है बल्कि उन्हें उचित रूप में लिखकर दूसरों के साथ साझा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।दस्तावेजीकरण से अनुभवों का संग्रह होता है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संदर्भ बन सकता है। हमारे समाज में ऐसे शिक्षक बिरले होते हैं जो अपने अनुभवों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में जहां ज्ञान निरंतर विकसित हो रहा है, हमें चाहिए कि हम अपने अनुभवों को संकलित करें। यह कार्य केवल व्यक्तिगत विकास के लिए नहीं है बल्कि यह अन्य शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए भी लाभकारी है। जब हम अपने अनुभवों को साझा करते हैं तो हम उन्हें प्रेरणा देते हैं और उन्हें अपने शिक्षण में सुधार करने का अवसर प्रदान करते हैं।

इसके लिए शिक्षकों को विभिन्न माध्यमों का उपयोग करना चाहिए। वे अपने अनुभवों को डायरी में लिख सकते हैं, आत्मकथा या उपन्यास के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं या फिर शोध पत्रों के माध्यम से अपने विचार साझा कर सकते हैं। ऐसे शिक्षकों को समाज के सामने आना चाहिए जो अपने अनुभवों का दस्तावेजीकरण करते हैं और नए विचारों को विकसित करते हैं। यह न केवल व्यक्तिगत स्तर पर विकास में सहायक है बल्कि यह शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए भी आवश्यक है। अगर हम अपने अनुभवों को उचित रूप से प्रस्तुत करें तो हम न केवल शिक्षा के क्षेत्र में सुधार कर सकते हैं बल्कि हम समाज के अन्य वर्गों को भी जागरूक कर सकते हैं।

भारत की बेटी का अपमान बर्दाश्त नहीं

कर्नल सोफिया पर टिप्पणी से भड़के सपाई, बोले- देश से माफी मांगे भाजपा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुख्यालय के बाहर शुक्रवार को एक पोस्टर लगाया गया, जिसमें भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में भाजपा के एक मंत्री द्वारा की गई कथित विवादास्पद टिप्पणी की निंदा की गई। पोस्टर में मध्य प्रदेश के भाजपा मंत्री विजय शाह की अपमानजनक टिप्पणी के संदर्भ में लिखा है, ऑपरेशन सिंदूर में पाक सेना के खिलाफ दहाड़ने वाली बेटी सोफिया का अपमान करना देश का अपमान है। भाजपा को देश से माफी मांगनी चाहिए।

सपा नेता मोहम्मद इखलाक द्वारा सपा मुख्यालय के बाहर लगाए गए पोस्टर में आगे कहा गया है, हम हिंदू और मुस्लिम के नाम पर नहीं बंटेंगे, और न ही ऐसा होने देंगे। इसमें यह भी कहा गया है 'हर भारतीय का साहस नफरत की राजनीति के खिलाफ है।' पोस्टर में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, अन्य प्रमुख सपा के नेताओं और कर्नल सोफिया की तस्वीर है। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर का विवरण नियमित पत्रकार वार्ताओं में कर्नल सोफिया कुरैशी विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ मिल कर साझा करती थीं ।

इन पत्रकार वार्ताओं में विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी शामिल होते थे। कर्नल कुरैशी को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में विजय शाह के खिलाफ बुधवार रात प्राथमिकी दर्ज की गई।

रुदौली एजूकेशनल इंस्टीट्यूट
सरायपीर, भेलसर, रुदौली, अयोध्या

में स्ववित्त पोषित योजनांतर्गत आवश्यकता है।

परास्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय एम0एस0सी0 पाठ्यक्रम हेतु गणित, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान प्रत्येक विषय में 02–02 पद प्रवक्ताओं की।

योग्यता एवं वेतन आय यू0जी0सी0 एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार। इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि के 10 कार्य दिवसों के अंदर महाविद्यालय के पते पर सम्पर्क स्थापित करें।

भवदीय – प्रबन्धक
मो0नं0– 9936535300

रुदौली लॉ कॉलेज
सरायपीर, भेलसर, रुदौली, अयोध्या

में स्ववित्त पोषित योजनांतर्गत आवश्यकता है।

प्राचार्य – 01 पद
विधि प्रवक्ता – 09 पद
योग्यता एवं वेतन आय यू0जी0सी0, बी0सी0आई0 एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार।
इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि के 10 कार्य दिवसों के अंदर महाविद्यालय के पते पर सम्पर्क स्थापित करें।

भवदीय – प्रबन्धक
मो0नं0–9936535300

यूपी एसटीएफ को मिली बड़ी सफलता

वोडाफोन आइडिया कम्पनी के अधिकारियों से सांठगांठ कर फर्जी तरीके से पीओएस एजेंट बनाकर उन पीओएस की आईडी का प्रयोग कर फर्जी तरीके से सिमकार्ड एक्टिवेट कर डिजिटल अरेस्ट किया जा रहा था

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चित्रकूट। टेलीकॉम कम्पनी के अधिकारियों से सांठगांठ कर साइबर क्राइम करने वाले गिरोहों को फर्जी तरीके से सिमकार्ड उपलब्ध कराने वाले संगठित गिरोह के सरगना सहित 06 सदस्य जनपद-चित्रकूट से गिरफ्तार।

एस0टी0एफ0, उत्तर प्रदेश को वोडाफोन आइडिया कम्पनी के अधिकारियों से सांठगांठ कर फर्जी तरीके से पीओएस एजेंट बनाकर उन पीओएस की आईडी का प्रयोग कर फर्जी तरीके से सिमकार्ड एक्टिवेट कर डिजिटल अरेस्ट, स्टाक मार्केट, पार्सल स्कैम, आदि तरीके से साइबर क्राइम करने वाले गिरोहों को उपलब्ध कराने वाले संगठित गिरोह के सरगना सहित 06 सदस्यों को राजापुर जनपद चित्रकूट से गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरणः-

1. ओमप्रकाश अग्रहरि उर्फ टीटू पुत्र स्व0 जगतनरायण निवासी सरांय तलैया राजापुर थाना राजापुर जनपद चित्रकूट शिक्षा- बीए, उम्र 37 वर्ष। (प्रोपराइटर अग्रहरि कम्युनिकेशन) (गैग लीडर)
2. शिवदयाल निषाद पुत्र सदाशिव निषाद निवासी बरगदी पुरवा बेराउर बांगर थाना राजापुर जनपद चित्रकूट शिक्षा- बीए, उम्र 35 वर्ष। (टेरीटरी सेल्स एक्जीक्यूटिव वोडाफोन आइडिया राजापुर चित्रकूट)
3. राहुल पाण्डेय पुत्र मनी शंकर पाण्डेय निवासी पाण्डेय पुरवा थाना राजापुर जनपद चित्रकूट शिक्षा- बीए एलएलबी, उम्र 30 वर्ष। (प्रोपराइटर नित्या इंटरप्राइजेज व डीएसई अग्रहरि कम्युनिकेशन)
4. जितेन्द्र कुमार पुत्र षिवपूजन निवासी पश्चिम नाका राजापुर थाना राजापुर जनपद चित्रकूट शिक्षा- बीए, उम्र 29 वर्ष। (टेरीटरी सेल्स एक्जीक्यूटिव वोडाफोन आइडिया कौशाम्बी)
5. शिवबाबू पुत्र लालबाबू निवासी बरगदी का पुरवा बेराउर बांगर थाना राजापुर जनपद चित्रकूट शिक्षा-बीए, उम्र 32 वर्ष। (पीओएस एजेंट)
6. सुरेन्द्र सिंह पुत्र विजय सिंह निवासी लूपलाइन राजापुर थाना राजापुर जनपद चित्रकूट शिक्षा- बीटीसी, बीएड , उम्र 34 वर्ष। (प्रोपराइटर रवि जनसेवा व स्टूडियो

» रिजेंसी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गयागिरफ्तारी का दिनांक, स्थान व समय:– स्थान: बरगदी पुरवा बेराउर थाना क्षेत्र राजापुर चित्रकूट, दिनांक: 15–05–2025 समय: 23:15 बजे।

एस0टी0एफ0, उत्तर प्रदेश को डिजिटल अरेस्ट, स्टाक मार्केट, पार्सल स्कैम, आदि तरीके से साइबर क्राइम करने वाले संगठित गिरोहों को अनाधिकृत तरीके से सिम कार्ड एक्टीवेट कर उपलब्ध कराने वाले पीओएस एजेन्टों एवं डिस्ट्रीब्यूटर के सम्बन्ध में लगातार षिकायते प्राप्त हो रही थी। जिसके क्रम में श्री विशाल विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, एस0टी0एफ0, उ0प्र0 के पर्यवेक्षण मे एस0टी0एफ0 मुख्यालय स्थित साइबर टीम द्वारा अभिसूचना संकलन की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी तथा अभिसचूना तन्त्र को सक्रिय किया गया।

अभिसूचना संकलन के क्रम में ज्ञात हुआ कि ओम प्रकाश अग्रहरि ''अग्रहरि कम्युनिकेशन'' राजापुर वोडाफोन आइडिया कम्पनी का वर्ष 2023 में डिस्ट्रीब्यूटर रहा है। अपने साथियों व वोडाफोन आइडिया कम्पनी के अधिकारियों के साथ मिलकर, फर्जी तरीके से पीओएस एजेंट बनवाकर उन पीओएस एजेंटो की पीओएस आईडी व उनके नम्बर पर आने वाले ओटीपी का एक्सेस लेकर अपने गैंग के सदस्यों के माध्यम से अनाधिकृत तरीके से सिम कार्ड एक्टिवेट कर, डिजिटल अरेस्ट, स्टाक मार्केट, पार्सल स्कैम, आदि तरीके से साइबर क्राइम करने वाले संगठित गिरोहों को उन सिम कार्डों को ऊंचे दामों पर बेचता था।

उपरोक्त प्रकरण पर तकनीकी विषेषज्ञता के आधार पर विष्लेषण एवं मुखबिर के माध्यम से सूचना संकलित करते हुए दिनांक 15–05–2025 को एसटीएफ टीम द्वारा उपरोक्त संगठित गिरोह के सरगना सहित 06 अभियुक्तों को थाना क्षेत्र राजापुर चित्रकूट से गिरफ्तार किया गया, जिनसे

माल बरामदगी

1-31 अदद मोबाइल फोन।
2-87 अदद कूटरचित आधार कार्ड।
3-514 अदद प्रीएक्टिवेटेड सिम कार्ड वोडाफोन आइडिया कम्पनी।
4-505 अदद अनएक्टिवेटेड ब्लैंक सिम कार्ड वोडाफोन आइडिया कम्पनी।
5-30 अदद अनएक्टिवेटेड ब्लैंक सिम कार्ड रिलायंसजियो कम्पनी।
6-26 अदद अनएक्टिवेटेड ब्लैंक सिम कार्ड भारतीय एयरटेल कम्पनी।
7-03 अदद बायोमैट्रिक स्कैनर।
8-01 अदद सीपीयू।
9-रूपये 7250 नकद।

उपरोक्त बरामदगी हुई। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ मे पता चला कि ओम प्रकाश अग्रहरि द्वारा वर्ष 2006 में अग्रहरि कम्युनिकेशन नाम से फर्म बनाकर हच कम्पनी से डिस्ट्रीब्यूटरशिप ली गयी थी। वर्ष 2009 से 2014 तक शिवदयाल निषाद, अग्रहरि कम्युनिकेशन में डीएसई (डायरेक्ट सेल्स एक्जिक्यूटिव)के पद पर रहा। वर्ष 2015 से 2019 तक वोडाफोन कम्पनी मे पीएसआर (पाइलेट सेल्स रिप्रजेंटेटिव) रहा इसके बाद वर्ष 2019 से 2021 तक रिलायंस जियो कम्पनी मे जेपीएम (जियो प्वाइंट मैनेजर) रहा। पुनः वर्ष 2021 में वोडाफोन आइडिया कम्पनी में टीएसई (टेरीटरी सेल्स एक्जिक्यूटिव) के पद पर ज्वाइन किया। राहुल पाण्डेय ने वर्ष 2017 में अग्रहरि कम्युनिकेशन में डीएसई (डायरेक्ट सेल्स एक्जिक्यूटिव) के पद पर ज्वाइन किया और 2023 तक रहा। नवम्बर 2023 में वीआई कम्पनी द्वारा अग्रहरि कम्युनिकेशन को बंद कर दिया गया। दिसम्बर 2023 में राहुल पाण्डेय द्वारा अपनी खुद की फर्म नित्या इंटर प्राइजेज बनाकर वीआई की डिस्ट्रीब्यूटरशिप ली गयी। शिवदयाल निषाद का चचेरा भाई शिवबाबू वर्ष 2017 से 2023 तक अग्रहरि कम्युनिकेशन में प्रमोटर के पद पर नौकरी करता था व पीओएस का भी काम करता था। उपरोक्त चारों लोगों ने अधिक धन अर्जित करने की लालच में प्लान बनाया कि यदि हम लोग फर्जी पीओएस एजेंट बनाकर उनकी आईडी से कस्टमर की दो बार केवाईसी करके दो सिम एक्टिवेट करे व कस्टमर को एक ही दें व एक अपने पास रख लें तो अच्छा खासा धन कमा सकते हैं। इसके बाद शिवदयाल, ओमप्रकाश अग्रहरि, राहुल व शिवबाबू मिलकर जो कस्टमर सिम लेने आते थे उनके नाम से दो सिमकार्ड एक्टिवेट कर उनका बायोमैट्रिक कराकर उनके नाम से पीओएस रजिस्टर्ड करा लेते थे फिर उनको एक सिम दे देते थे व पीओएस में रजिस्टर्ड सिम कार्ड अपने पास रख लेते थे। पीओएस की आईडी व उसके सिम पर आये ओटीपी का प्रयोग कर शिवदयाल, ओमप्रकाश अग्रहरि, राहुल पाण्डेय, शिवबाबू कस्टमर की दो सिम कार्ड डिजिटल केवाईसी के माध्यम से एक्टिवेट कर कस्टमर को एक सिम देते थे व एक अपने पास रख लेते थे। जब एक्टिवेटेड सिम कार्ड 200–300 की मात्रा मे एकत्र हो जाता था तो उसको शिवदयाल व जितेन्द्र कुमार (उस समय रिलायंस जियों कम्पनी का कर्मचारी था और शिवदयाल का दोस्त था) के साथ कौशाम्बी जाकर संदीप पाण्डेय निवासी थाना नवाबगंज जनपद प्रयागराज को दे देते थे संदीप, शिवदयाल व जितेन्द्र को बाजार के रेट से अधिक कीमत देकर वो सिम कार्ड खरीदता था। सिम कार्ड एक्टिवेट करने के लिए इन लोगों द्वारा फर्जी आधार कार्ड का भी प्रयोग किया जाता था। फर्जी आधार कार्ड बनाने का कार्य यह लोग रवि स्टूडियो लूपलाइन राजापुर के सुरेन्द्र सिंह के साथ मिलकर करते थे। राजू मोबाइल, अशोक किराना, दिनेश मोबाइल नाम से भी इन्ही लोगों द्वारा वर्ष 2023 में पीओएस बनवाये गये थे और उनकी आईडी का प्रयोग एवं प्रतिरूपण कर उनके नम्बर पर आये ओटीपी का अनाधिकृत तरीके से एक्सेस कर उनकी आईडी को लागिन कर इन लोगों ने ही अक्टूबर 2023 से मार्च 2024 तक सिम कार्ड जारी किये थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस गिरोह द्वारा पिछले 02–03 वर्षों में लगभग 10,000 से अधिक सिम कार्ड अनाधिकृत तरीके से एक्टिवेट किये गये हैं। अभियुक्तों द्वारा दी गयी जानकारी के माध्यम से गिरोह के अन्य सदस्यो की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं।

तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरलोड ऑटो को मारी टक्कर, सात की मौत

ऑटो में सवार थे नौ लोग, ट्रक चालक गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर गुरुवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरलोड ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार मां-बेटा समेत सात लोगों की मौत हो गई। ऑटो में नौ लोग सवार थे। दो घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने ट्रक चालक राजेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। दुर्घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी दुख जताया है। हरदोई के संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर ट्रक और ओवरलोड ऑटो की टक्कर में मां-बेटा समेत सात लोगों की मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

बीमार मां को देखने जा रही फूलजहां की बेटे समेत गई जान, पति गंभीर : उन्नाव जनपद के बेहटा मुजावर निवासी सिराज (30) गांव में ही खेती करते हैं। उनकी ससुराल उन्नाव जनपद के आसीवन गांव में है। सिराज की सास सईदुन का ऑपरेशन संडीला के बेगमगंज स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में हुआ था। सास का हाल लेने के लिए सिराज अपनी पत्नी फूलजहां (28) और पुत्र अयाज (3) के साथ बेगमगंज जाने के लिए बृहस्पतिवार सुबह निकला था। बांगरमऊ से वह संडीला जाने को ऑटो में सवार हुआ था। रास्ते में ही हुए हादसे में सिराज की पत्नी और बेटे की मौत हो गई, जबकि सिराज को गंभीर हालत में लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। घटना का पता चलने पर सिराज के ससुराल वाले मौके पर पहुंचे और फिर उसके घर के लोग भी पहुंच गए।

हरदोई जिले में संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर सड़क किनारे खड़ा क्षतिग्रस्त ऑटो।

तेज रफ्तार ट्रक और ओवरलोड ऑटो भिड़े, मां बेटा समेत सात की मौत : हरदोई में संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर गुरुवार सुबह ट्रक ने ओवरलोड ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार मां-बेटा समेत सात लोगों की मौत हो गई। ऑटो में नौ लोग सवार थे। दो घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने ट्रक चालक राजेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। दुर्घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी दुख जताया है।

हादसे में ऑटो सवार चालक रंजीत, कछौना कोतवाली क्षेत्र के बनवा निवासी निसार (35) और बहदिन निवासी अंकित (20), कासिमपुर के मलहनखेड़ा निवासी अरविंद (19), दतिगढ़ा निवासी बिटान उर्फ पिंकी (30), उन्नाव जनपद के बेहटामुजावर निवासी फूलजहां (28) और उनके पुत्र अयाज (3) की मौत हो गई। फूलजहां के पति सिराज और पिंकी के पुत्र जुगनू (7) को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी पर एसपी नीरज कुमार जादौन, सीओ सतेंद्र सिंह ने घटनास्थल का जायजा लिया।

बहन की शादी में आया अंकित दुनिया छोड़ गया

कछौना कोतवाली क्षेत्र के बहदिन निवासी अंकित (20) पंजाब के लुधियाना में एक धागा फैक्टरी में काम करता था। बीती दो अप्रैल को उसकी बहन रोहिणी की शादी थी। शादी के चलते वह पंजाब से गांव आया था। बुधवार को अंकित अपने मामा राम कुमार के घर गया था। बृहस्पतिवार सुबह वापस अपने गांव जाने के लिए बेहंदर से ही ऑटो में सवार हो गया था। रास्ते में दुर्घटना में मौत हो गई।

लखनऊ जाने के लिए निकले, मिली मौत

कासिमपुर थाना क्षेत्र के मलहनखेड़ा निवासी अरविंद (19) चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर का था। पिता नंदराम खेती और मजदूरी करते हैं। अरविंद अपने परिजनों की घर चलाने में आथिज़्क मदद करना चाहता था। वह काम तलाशने के लिए लखनऊ जाने के लिए निकला था। कासिमपुर के पास वह ऑटो में सवार हुआ। रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

बीमार भाभी को देखने आया निसार, घर नहीं पहुंचा

कछौना कोतवाली क्षेत्र के बनवा निवासी निसार (35) राजमिस्त्री थे। पिछले कुछ समय से गांव में काम नहीं मिल रहा था। अब से 12 दिन पहले वह मुंबई में अपने भाई के दामाद आफाक के पास काम करने के लिए गए थे। तीन दिन पहले निसार की बड़ी भाभी सकीना की गांव में ही तबीयत बिगड़ गई। निसार मुंबई से ट्रेन से आया। बांगरमऊ से संडीला जाने के लिए वह ऑटो में सवार हुआ था।

घटना की चार वजह

- **अंधा मोड़:** उन्नाव-संडीला मार्ग पर हदलमऊ के पास दुर्घटना हुई। दुर्घटनास्थल से 20 मीटर पहले संडीला की तरफ अंधा मोड़ है। यहां कोई संकेतक भी नहीं लगा है।
- **ओवरलोड ऑटो:** ऑटो में चार सवारी बैठाने की ही अनुमति है। कम खर्च पर ज्यादा बचत के चक्कर में चालक ने ऑटो में दो गुनी यानी आठ सवारी बैठा रखी थी। चालक को मिलाकर नौ लोग ऑटो में सवार थे।

पत्नी को बेरहमी से पीटा, छत से उल्टा लटकाया

बरेली। बरेली के आंवला कस्बे से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने अपनी पत्नी को बेरहमी से पीटा। फिर उसे छत से उल्टा लटका दिया। इस घटना का वीडियो वायरल हुआ है। मामले में पीड़िता के भाई ने पति समेत चार लोगों के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कराई है।

बरेली के आंवला में एक शराबी युवक ने हैवानियत की हद पार कर दी। उसने अपनी पत्नी को पहले बेरहमी से पीटा, फिर छत से उल्टा लटका दिया। उसकी चीख-पुकार सुनकर मोहल्ले के लोग पहुंचे। इस बीच आरोपी ने पत्नी को छोड़ दिया। गनीमत रही कि लोगों ने समय रहते महिला को पकड़ लिया। हालांकि पिटाई से महिला को गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित महिला के भाई ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपी घर से फरार हो गया है।

बदायूं के थाना वजीरगंज क्षेत्र के निवासी रघुनाथ सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया है कि उन्होंने 12 साल पहले अपनी बहन डोली की शादी आंवला के लठैता मोहल्ला निवासी नितिन सिंह के साथ की थी। बताया कि नितिन शराब पीने का आदी है। रोजाना शराब पीकर घर आता है। डोली से मारपीट करता है।

13 मई रात की है घटना

रघुनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि 13 मई की रात करीब 10 बजे नितिन सिंह ने डोली को बेरहमी से पीटा। फिर छत से उल्टा लटका दिया और जान से मारने की नियत से उसे छोड़ दिया। गनीमत रही कि मोहल्ले के लोगों ने समय रहते डोली को पकड़ लिया। घटना का वीडियो भी उनके पास है। पुलिस ने आरोपी पति नितिन कुमार, अमित कुमार व दो महिलाओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज हो चुकी है।

प्रेमी के लिए मां ने बेटे की हत्या कर शव फेंका

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में मानवता को कलंकित करने वाली घटना सामने आई है। एक महिला और उसके प्रेमी ने अपने 10 वर्षीय बेटे की नृशंस हत्या कर दी और फिर शव को सूटकेस में भरकर फेंक दिया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है, और पूछताछ में उन्होंने जुर्म कबूल भी किया है। पुलिस के अनुसार, महिला और उसके प्रेमी ने मिलकर इस हत्या की योजना बनाई थी। रविवार को मृण्मय बर्मन (10), जो नवोदय जातीय विद्यालय का 5वीं कक्षा का छात्र था, शव गुवाहाटी में वन विभाग कार्यालय के पास एक सूटकेस में पड़ा हुआ मिला।

हत्यारिन मां और बेटा मृण्मय बर्मन (फाइल फोटो)।

» पुलिस ने मां और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है, बेटे का शव वन विभाग के कार्यालय के पास मिला

बांके बिहारी कॉरिडोर से शहरवालों की होगी चांदी

मथुरा। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर का सुप्रीम कोटज़ ने रास्ता साफकर दिया है। इस फैसले के बाद अब चचाज़ ये शुरू हो गई है कि इससे श्रद्धालुओं को तो फायदा होगा, लेकिन शहर को क्या मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि कॉरीडोर बनने के बाद शहर के पयज़्टन उद्योग को पंख लगने की पूरी उम्मीद है। जिस तरह काशी विश्वनाथ कॉरिडोर से वहां श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा हुआ, वैसा ही कुछ यहां भी होगा।

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर बनने के बाद मथुरा-वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं को संख्या में इजाफा होगा। इससे पयज़्टन हब के रूप में विकसित करने का भी रास्ता सुगम होगा। वतज़्मान स्थिति के सापेक्ष दोगुनी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। कॉरिडोर निमाज़्ण के बाद किसी भी श्रद्धालुओं को असुविधा नहीं होगी। आसानी से आराध्य के दशज़न कर सकेगा। स्थानीय प्रशासन और कारोबारियों का मानना है कि जैसे-जैसे सुविधाओं में विस्तार होता है। लोगों का रुझान उन स्थानों के प्रति बढ़ता है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर इसका ताजा उदाहरण है। वहां अब दोगुनी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्रीबांके बिहारी की धूम विदेशों में भी है। काशी नरेश से ज्यादा वृंदावन के बांके के भक्त दुनिया में हैं।

यह दावा पयज़्टन विभाग के आंकड़े बताते हैं। विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में मथुरा जिले में करीब 21.96 करोड़ श्रद्धालुओं आए हैं। इसमें सबसे

आने वाले श्रद्धालुओं में होगी दोगुना बढ़ोतरी

अधिकारियों के मुताबिक, मथुरा-वृंदावन में आने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा साल दर साल बढ़ता जा रहा है। हर साल आठ से 10 लाख पर्यटकों में इजाफा हो रहा है। अधिकारियों का दावा है कि कॉरिडोर निर्माण के बाद आकंड़ा दो गुना हो जाएगा।